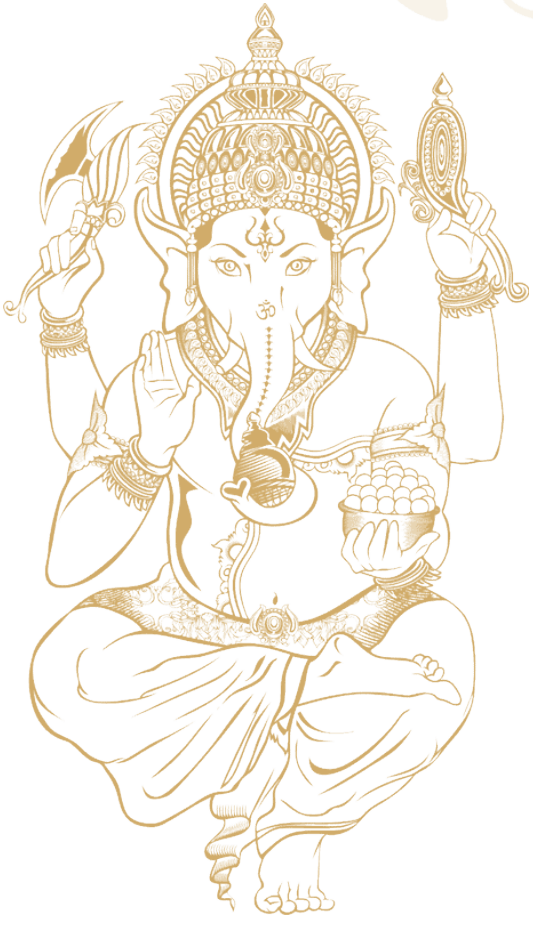

Guru dat

15 Jun 1998

07:30 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121508103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/06/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:30:00 घंटे**
इष्ट	05:24:26 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:10:48 घंटे
वेलान्तर	-00:00:22 घंटे
साम्पातिक काल	00:43:26 घंटे
सूर्योदय	05:20:13 घंटे
सूर्यास्त	19:19:02 घंटे
दिनमान	13:58:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:57:33 वृष
लग्न के अंश	27:59:27 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:59:27	309:14:58	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	29:57:33	00:57:18	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	29:37:28	13:34:53	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
मंगल		अ	वृष	21:34:41	00:41:37	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध			मिथु	05:50:57	02:09:00	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु			मीन	02:31:11	00:06:01	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	25:00:55	01:10:40	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मेष	06:43:22	00:05:33	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	10:05:13	00:01:04	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	10:05:13	00:01:04	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:35:22	00:01:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:53:31	00:01:11	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:22:58	00:01:33	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मीन	17:58:19	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:00

लग्न-चलित

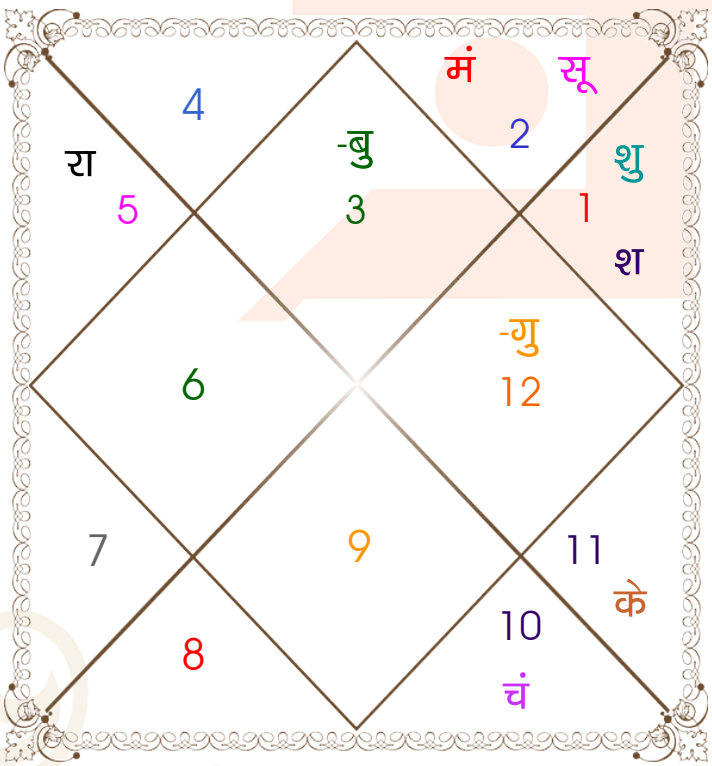

चन्द्र कुंडली

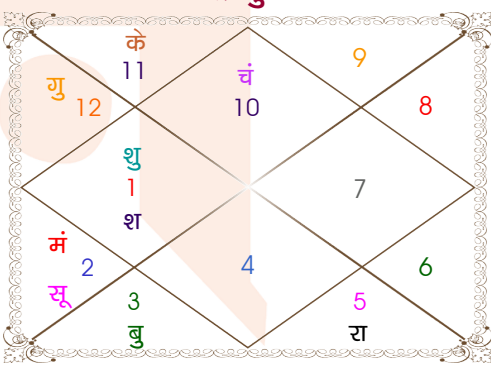

नवमांश कुंडली

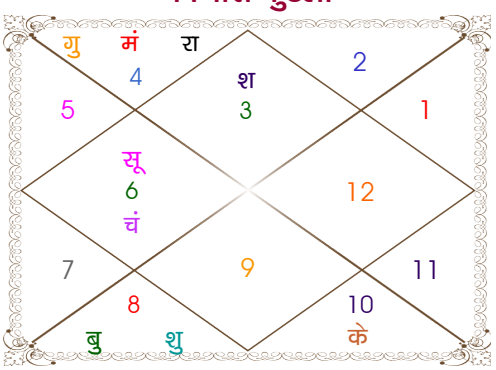

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 8 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/06/1998		24/02/2002		25/02/2020		25/02/2036		24/02/2055	
24/02/2002		25/02/2020		25/02/2036		24/02/2055		25/02/2072	
	00/00/0000	राहु	06/11/2004	गुरु	14/04/2022	शनि	27/02/2039	बुध	23/07/2057
	00/00/0000	गुरु	02/04/2007	शनि	25/10/2024	बुध	07/11/2041	केतु	20/07/2058
	15/06/1998	शनि	06/02/2010	बुध	31/01/2027	केतु	16/12/2042	शुक्र	20/05/2061
शनि	26/08/1998	बुध	25/08/2012	केतु	07/01/2028	शुक्र	15/02/2046	सूर्य	27/03/2062
बुध	23/08/1999	केतु	13/09/2013	शुक्र	07/09/2030	सूर्य	28/01/2047	चंद्र	26/08/2063
केतु	19/01/2000	शुक्र	13/09/2016	सूर्य	26/06/2031	चंद्र	28/08/2048	मंगल	22/08/2064
शुक्र	20/03/2001	सूर्य	07/08/2017	चंद्र	25/10/2032	मंगल	07/10/2049	राहु	12/03/2067
सूर्य	26/07/2001	चंद्र	06/02/2019	मंगल	01/10/2033	राहु	13/08/2052	गुरु	17/06/2069
चंद्र	24/02/2002	मंगल	25/02/2020	राहु	25/02/2036	गुरु	24/02/2055	शनि	25/02/2072

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/02/2072		24/02/2079		24/02/2099		25/02/2105		25/02/2115	
24/02/2079		24/02/2099		25/02/2105		25/02/2115		00/00/0000	
केतु	23/07/2072	शुक्र	26/06/2082	सूर्य	14/06/2099	चंद्र	26/12/2105	मंगल	25/07/2115
शुक्र	22/09/2073	सूर्य	26/06/2083	चंद्र	14/12/2099	मंगल	27/07/2106	राहु	11/08/2116
सूर्य	28/01/2074	चंद्र	24/02/2085	मंगल	20/04/2100	राहु	26/01/2108	गुरु	18/07/2117
चंद्र	29/08/2074	मंगल	26/04/2086	राहु	15/03/2101	गुरु	27/05/2109	शनि	16/06/2118
मंगल	25/01/2075	राहु	26/04/2089	गुरु	01/01/2102	शनि	27/12/2110		00/00/0000
राहु	13/02/2076	गुरु	26/12/2091	शनि	14/12/2102	बुध	27/05/2112		00/00/0000
गुरु	18/01/2077	शनि	24/02/2095	बुध	21/10/2103	केतु	26/12/2112		00/00/0000
शनि	27/02/2078	बुध	25/12/2097	केतु	26/02/2104	शुक्र	27/08/2114		00/00/0000
बुध	24/02/2079	केतु	24/02/2099	शुक्र	25/02/2105	सूर्य	25/02/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 8 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।